सूचना

शिक्षाशास्त्र विभाग

दिनांक - 16/12/2021

महाविद्यालय में अध्ययनरत समस्त छात्र -छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक 18 दिसम्बर 2021 को महाविद्यालय में शिक्षाशास्त्र विभाग के अंतर्गत विभागीय परिषद का गठन एवं करियर काउंसलिंग का एक कार्यक्रम आयोजित किया जाना है | अतएव शिक्षाशास्त्र विषय के समस्त छात्र-छात्राओं की उपस्थिति अनिवार्य है |

Aeeya

अलका आर्य

शिक्षाशास्त्र विभाग

राजकीय महाविद्यालय पाटी

HPandey

प्राचार्य

राजकीय महाविद्यालय

पाटी (चम्पावत)

Scanned with OKEN Scanner

विभागीय परिषद गठन

आज दिनाक 18 दिसम्बर 2021 विभागीय परिषद का गठन किया गया जिसमे निम्नलिखित पदाधिकारियों का चयन किया-

समन्वयक - अलका आर्य

अध्यक्ष - सीमा

छात्रा उपाध्यक्ष - सोनी जोशी

सचिव - पूजा जोशी

Aarya

कार्यक्रम समन्वयक

अलका आर्य

असिस्टेंट प्रोफेसर

शिक्षाशास्त्र विभाग

Pandey

प्राचार्य

राजकीय महाविद्यालय

पाटी (चम्पावत)

Scanned with OKEN Scanner

विभागीय परिषदीय कार्यक्रम

आज दिनांक 18 दिसमबर 2021 को राजकीय महाविद्यालय पाटी चंपावत मे विभागीय परिषद के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे भारतीय दार्शनिकों के शैक्षिक विचारों पर भाषण आयोजित किया गया | छात्र -छात्राओं ने मुखय रूप से महात्मा गांधी जी के शैक्षिक विचारों पर अपने भाषण प्रस्तुत किए | छात्रों दवारा गांधी जी की हस्तशिल्प शिक्षा पद्धति ,बुनियादी शिक्षा आदि पर विचार व्यक्त किए गए | महात्मा गांधी के शैक्षिक विचारों के मुताबिक, शिक्षा का मकसद बच्चों का सर्वांगीण विकास करना होता है. उनके मुताबिक, शिक्षा से बच्चों में मानवीय मूल्यों का विकास होना चाहिए. गांधीजी के शैक्षिक विचार -

- गांधीजी के मुताबिक, सात से चौदह साल के बच्चों की शिक्षा निःशुल्क, अनिवार्य, और सार्वभौमिक होनी चाहिए.
- गांधीजी के मुताबिक, शिक्षा का माध्यम मातृभाषा होना चाहिए.
- गांधीजी के मुताबिक, शिक्षा से बच्चों में आत्मनिर्भरता विकसित होनी चाहिए.
- गांधीजी के मुताबिक, शिक्षा से बच्चों के शरीर, मन, हृदय, और आत्मा का सामंजस्यपूर्ण विकास होना चाहिए.
- गांधीजी के मुताबिक, शिक्षा से बच्चों में चरित्र निर्माण होना चाहिए.
- गांधीजी के मुताबिक, शिक्षा से बच्चों में नैतिकता विकसित होनी चाहिए.
- गांधीजी के मुताबिक, शिक्षा से बच्चों में आध्यात्मिक विकास होना चाहिए.
- गांधीजी के मुताबिक, शिक्षा से बच्चों में सत्य और अहिंसा का विचार विकसित होना चाहिए.

Scanned with OKEN Scanner

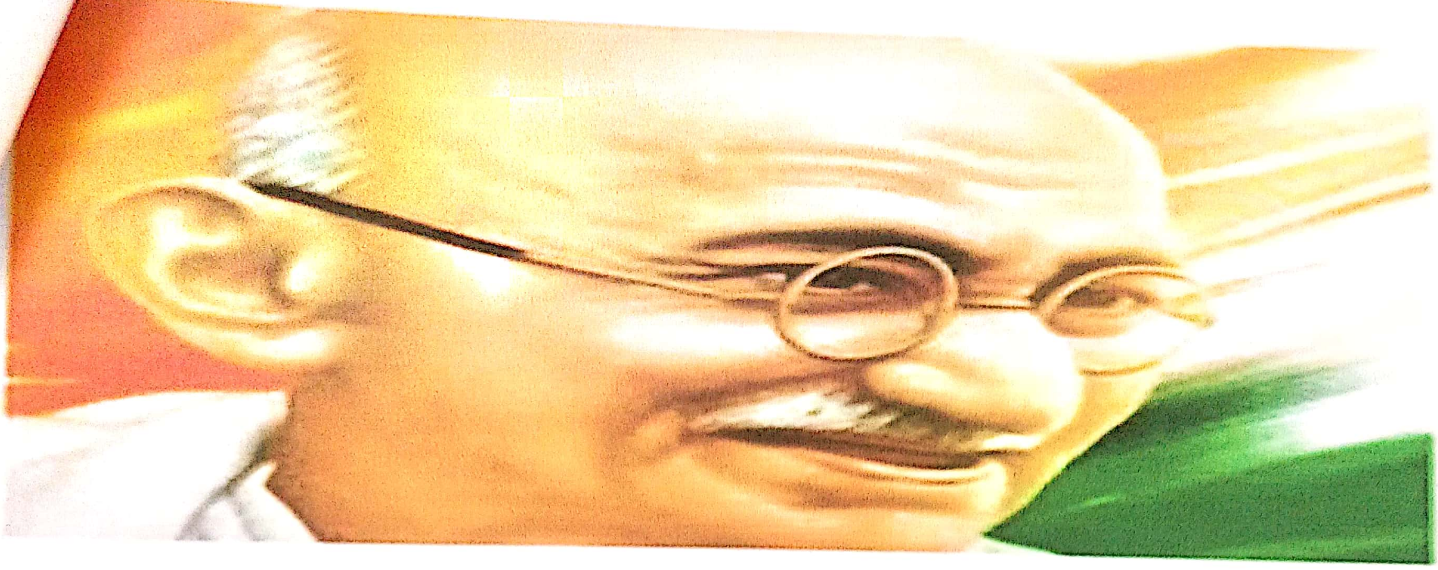

"वह शिक्षा जो हमें अच्छे और बुरे में भेद करना, एक को आत्मसात करना और दूसरे को त्यागना नहीं सिखाती, वह मिथ्या है।"

गांधीजी ने शिक्षा को चरित्र, बुद्धि, शारीरिक तंदुरुस्ती और आध्यात्मिक आत्म के समग्र विकास के रूप में परिभाषित किया। इसका उद्देश्य छात्रों को सेवा के जीवन के लिए तैयार करने के लिए नैतिक और आध्यात्मिक क्षमताओं का विकास करना है।

साथ ही विभागीय परिषद का गठन भी इसी कार्यक्रम मे किया गया |

कार्यक्रम समन्वयक

अलका आर्या

असिस्टेंट प्रोफेसर

शिक्षाशास्त्र विभाग

प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय
पाटी (चम्पावत)

समन्वयक
(IQAC)
आई० क्यू० ए० सी०
राजकीय महाविद्यालय पाटी
चम्पावत

Scanned with OKEN Scanner

सूचना

शिक्षाशास्त्र विभाग

दिनांक 15/03/2022

महाविद्यालय में अध्ययनरत समस्त छात्र -छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक 17 मार्च 2022 को महाविद्यालय में शिक्षाशास्त्र विभाग के अंतर्गत विभागीय परिषद का एक कार्यक्रम आयोजित किया जाना है |जिसका विषय “स्वामी विवेकानंद के शैक्षिक विचार है”| अतएव शिक्षाशास्त्र विषय के समस्त छात्र-छात्राओं की उपस्थिति अनिवार्य है |

अलका आर्या

(विभागाध्यक्ष)

शिक्षाशास्त्र विभाग

राजकीय महाविद्यालय पाटी

प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय
पाटी (चम्पावत)

Scanned with OKEN Scanner

विभागीय परिषदीय कार्यक्रम

आज दिनांक 17 मार्च 2022 को राजकीय महाविद्यालय पाटी चंपावत मे विभागीय परिषद के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे छात्र - छात्राओं ने भारतीय दार्शनिक स्वामी विवेकानंद के सम्पूर्ण जीवन यात्रा एवं शैक्षिक विचारों पर अपने विचार प्रस्तुत किए | छात्रों के द्वारा स्वामी जी के पोस्टर भी तैयार किए गए जिनका प्रदर्शन भी प्रभावी रूप से किया | कार्यक्रम की अध्यक्ष अलका आर्या असिस्टेंट प्रोफेसर शिक्षाशास्त्र द्वारा स्वामी विवेकानंद के शिक्षा के क्षेत्र में योगदान पर प्रकाश डाला गया |

इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त कर्मचारी उपस्थिति रहे |

स्वामी विवेकानंद के विचारों में आत्मविश्वास, मेहनत, और परिवर्तन लाने की प्रेरणा है. उनके विचारों से युवाओं को प्रेरणा मिलती है. स्वामी विवेकानंद के कुछ विचार ये रहे:

उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए.

हर आत्मा ईश्वर से जुड़ी है.

अगर आप कुछ करना चाहते हैं, तो आप उसे कर सकते हैं.

किसी की निंदा न करें, अगर आप मदद के लिए हाथ बढ़ा सकते हैं, तो ज़रुर बढाएं.

अगर धन दूसरों की भलाई करने में मदद करे, तो इसका कुछ मूल्य है.

जो कुछ हैं वह अपने विचारों की देन हैं.

जितना बड़ा संघर्ष होगा, जीत उतनी ही शानदार होगी.

Scanned with OKEN Scanner

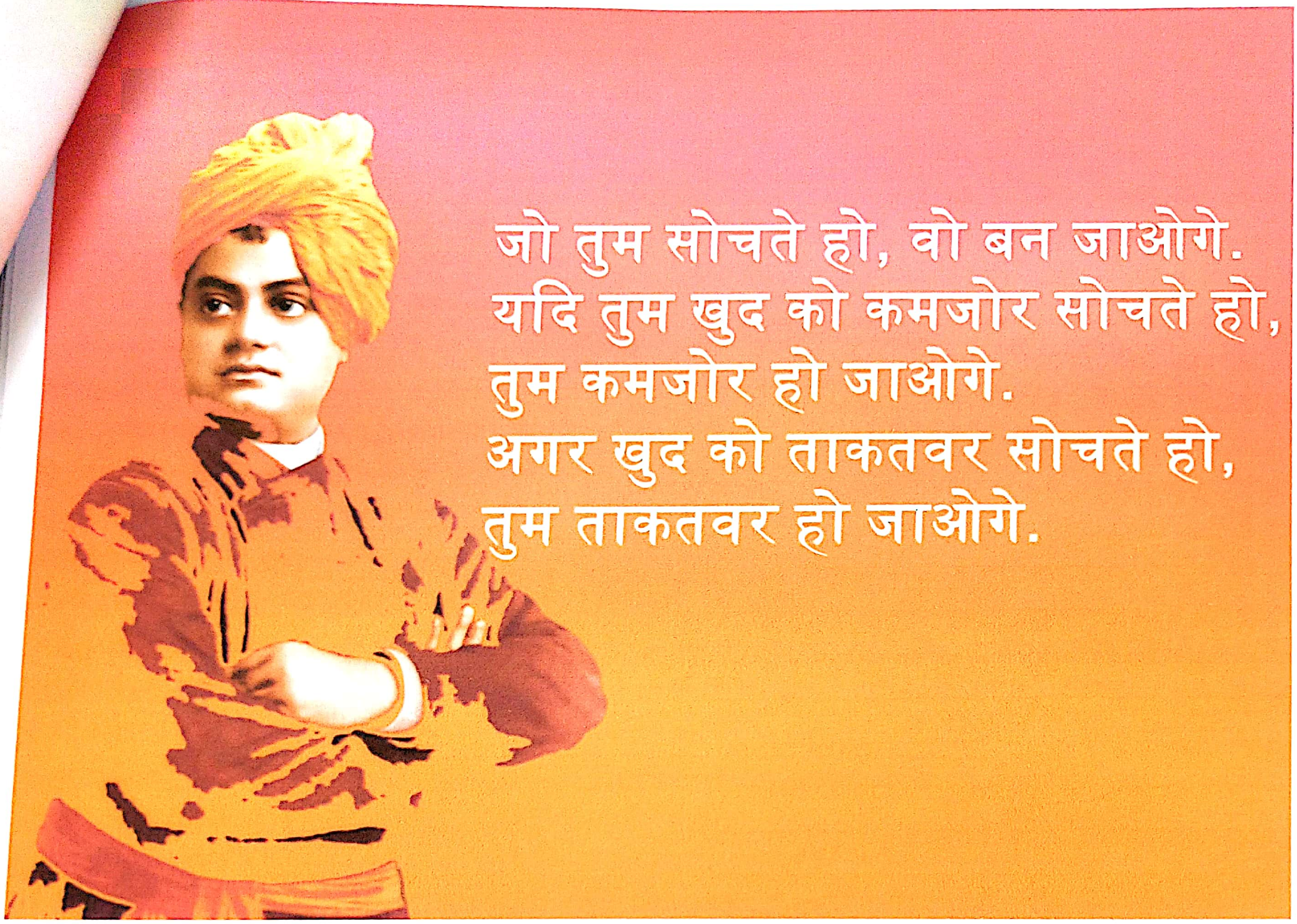

अलका आर्या (विभागाध्यक्ष)
शिक्षाशास्त्र विभाग
राजकीय महाविद्यालय पाटी (चंपावत)
दिनांक - 04/05/2022

प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय
पाटी (चम्पावत)

समन्वयक
(IQAC)
आई० क्यू० ए० सी०
राजकीय महाविद्यालय पाटी
चम्पावत

Scanned with OKEN Scanner

दिनांक - 04/05/2022

सूचना

महाविद्यालय में अध्ययनरत समस्त छात्र -छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक 07 मई 2022 को महाविद्यालय में शिक्षाशास्त्र विभाग के अंतर्गत विभागीय परिषद का एक कार्यक्रम 'रवींद्र नाथ टैगोर के शैक्षिक विचार' विषय पर आयोजित किया जाना है | अतएव शिक्षाशास्त्र विषय के समस्त छात्र-छात्राओं की उपस्थिति अनिवार्य है |

अलका आर्या (कार्यक्रम समन्वयक)

शिक्षाशास्त्र विभाग

राजकीय महाविद्यालय पाटी

प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय
पाटी (चम्पावत)

Scanned with OKEN Scanner

विभागीय परिषदीय कार्यक्रम रिपोर्ट

आज दिनांक 07 मई 2022 को राजकीय महाविद्यालय पाटी, चंपावत मे विभागीय परिषद के अंतर्गत एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया | कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम माँ सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया गया | छात्र -छात्राओं ने भारतीय शैक्षिक दार्शनिक राष्ट्रकवि रवींद्र नाथ टैगोर के सम्पूर्ण जीवन यात्रा एवं शैक्षिक विचारों पर अपने विचार प्रस्तुत किए | छात्रों के द्वारा रवींद्रनाथ टैगोर के पोस्टर तैयार किए गए तथा उनकी प्रमुख कविताओं का प्रस्तुतीकरण किया |

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर के पाण्डे द्वारा की गई |प्राचार्य महोदय ने रवींद्र नाथ टैगोर के जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तृत प्रकाश डाला एवं छात्रों को उनके जीवन से प्रेरणा लेने हेतु प्रोत्साहित किया गया |

कार्यक्रम समन्वयक श्रीमती अलका आर्या असिस्टेंट प्रोफेसर शिक्षाशास्त्र द्वारा रवींद्रनाथ टैगोर के शिक्षा के क्षेत्र में योगदान पर प्रकाश डाला गया जिसमे उनके द्वारा स्थापित विश्वभारती विश्वविद्यालय, राष्ट्रगान एवं उनके द्वारा गीतांजलि हेतु नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने आदि घटनाओं पर चर्चा की गई | इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त कर्मचारी उपस्थिति रहे |

"रवींद्रनाथ टैगोर के शैक्षिक विचारों के मुताबिक, शिक्षा का मकसद सिर्फ़ ज्ञान हासिल करना नहीं होना चाहिए. यह एक ऐसी प्रक्रिया होनी चाहिए जिसमें छात्रों का शारीरिक, मानसिक, सौंदर्य, और नैतिक विकास हो. टैगोर के मुताबिक, शिक्षा से छात्रों को आत्म-खोज करनी चाहिए और रचनात्मक अभिव्यक्ति के ज़रिए अपनी प्रतिभा को विकसित करना चाहिए."

Scanned with OKEN Scanner

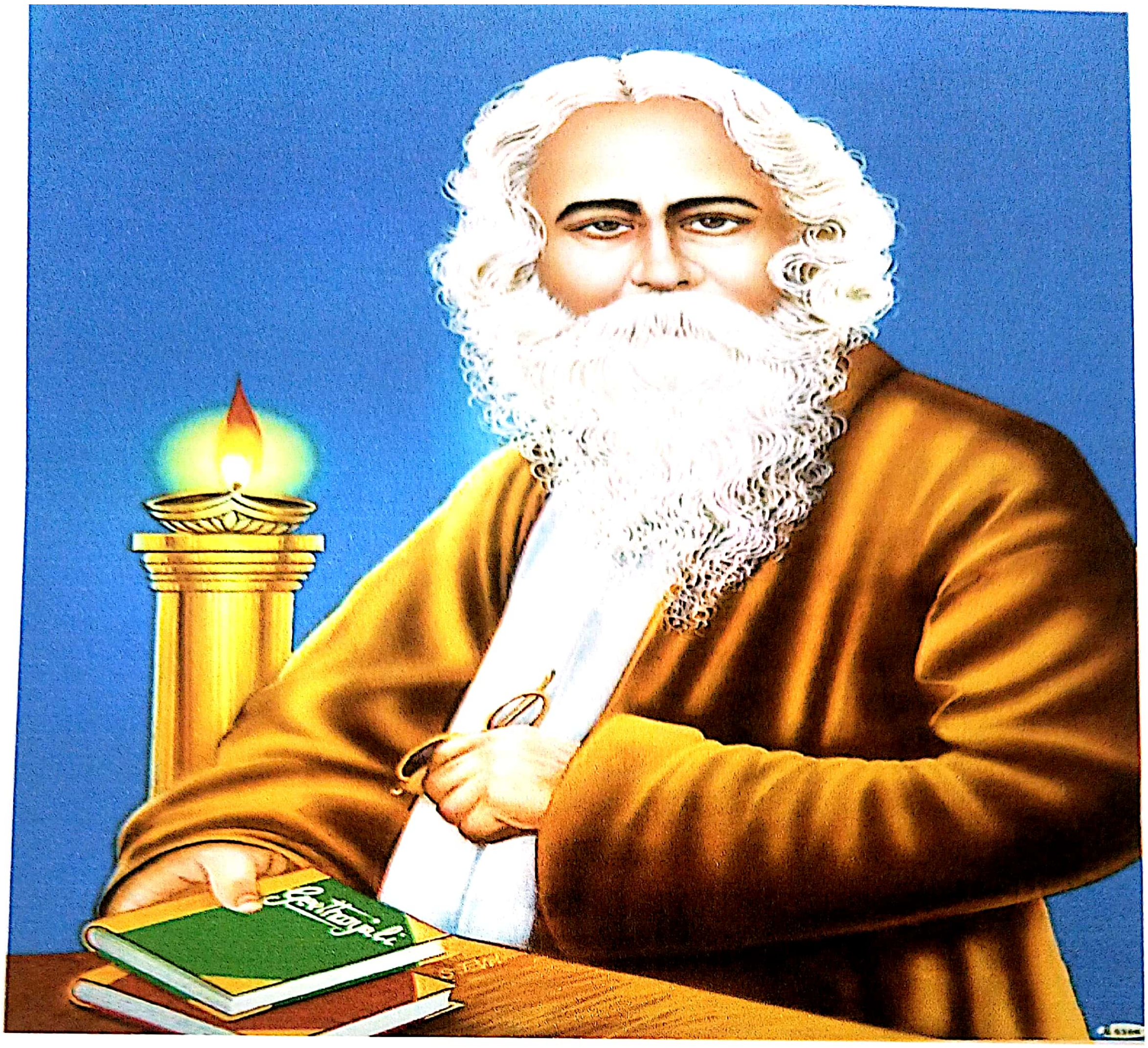

अलका आर्या (विभागाध्यक्ष)

शिक्षाशास्त्र विभाग

राजकीय महाविद्यालय पाटी (चंपावत)

प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय
पाटी (चम्पावत)

समन्वयक
(IQAC)
आई० क्यू० ए० सी०
राजकीय महाविद्यालय पाटी
चम्पावत

Scanned with OKEN Scanner